RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 18 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 9 अक्टूबर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

पीएम मोदी की राह पर सीएम धामी

घेरने वाले घेर रहे लेकिन पुष्कर का सीधा फार्मूला

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जिस कदर दौड़ हो रही है, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राह पर दिखाई दे रहे हैं। हालांकि कई लोग यह भी कहने लगे हैं कि वह पीएम मोदी की नकल कर रहे हैं। जो कुछ भी हो धामी ने यह तो साबित कर ही दिया है कि वह सीधा और तेज दौड़ सकते हैं। पर्वतीय प्रदेश की बात प्रधानमंत्री को समझाना और मोदी के मुताबिक समझना ही पुष्कर धामी की खूबी है। इन कारणों से ही युवा मुख्यमंत्री को मोदी-शाह की जोड़ी पसन्द कर रही है। चम्पावत में उपचुनाव जीत के बाद से जिस प्रकार धामी ने हर मोर्चे पर आगे बढ़ते जा रहे हैं उससे भाजपा के वह दिग्गज भी चुप्पी कर चुके हैं जो इस बात को मानकर चल रहे थे कि धामी को भी प्रयोग के बाद मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जायेगा। धामी की अपनी टीम और पार्टी संगठन के अलावा बड़े नेताओं के साथ जिस प्रकार की जुगलबन्दी चल रही है वह कामयाब हैं। ऐसा नहीं है कि विपक्ष के अलावा उनकी पार्टी के भी कुछ नेता उन्हें घेरने की फिराक में नहीं है। बावजूद पुष्कर सिंह धामी का सीधा सा फार्मूला है जो मौका उन्हें मिला है उसका पूरा सदुपयोग किया जाए। इसमें वह अभी तक के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे आगे निकल चुके हैं।

मोदी करेंगे इन्वेस्टर्स समिट का शुभारम्भ

उत्तराखण्ड में निवेश बढ़ाने के लिए दिसम्बर में होने वाले दो दिवसीय समिट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुभारम्भ करेंगे। मुख्यमंत्री धामी ने इसके लिये पिछले महीने प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया था। पीएमओ ने प्रधानमंत्री का कार्यक्रम तय होने की सूचना दे दी है।

उनके दिल्ली दौरे में हर बार कोई राज होता है जिसका उन्हें लाभ भी हुआ है।

इस बीच लन्दन से साढ़े बारह हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव लेकर लौटे सीएम धामी का देहरादून सहित तमाम स्थानों पर भव्य स्वागत हुआ है। कैबिनेट मंत्री और भाजपा विधायकों ने भी कई जगह अभिनन्दन समारोह में उनका स्वागत किया। दिन-रात दौड़भाग कर रहे धामी पीएम मोदी की तरह कोई अवसर नहीं चूक रहे हैं। स्कूल के बच्चों से सम्बाद हो, सभा हो, जनमिलन हो, बैठक हो या सभा, रोड शो या सम्मान समारोह। उनका जलवा सीधा सा सन्देश है कि उनके मुताबिक प्रदेश में बयार चलेगी, परिवर्तन वह करेंगे। अब लोकसभा चुनाव का सफर शुरु होने वाला है ऐसे में धामी के तेवर और उनका भाग्य क्या करता है, इस पर भी चर्चा होने लगी है।

बीआरओ पर लगाया लापरवाही का आरोप

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। भाजपा मण्डल अध्यक्ष डॉ. दुर्गा प्रसाद ने रक्षा मंत्री भारत सरकार को बी.आर.ओ. की बीसीसी एवं आरसीसी कम्पनी पर पुल निर्माण में लापरवाही करने का आरोप लगाया। डा.दुर्गा ने जमीघाट एवं सेनर पुल का भ्रमण कर उपजिलाधिकारी द्वारा रक्षा मंत्री को लापरवाही की शिकायत का ज्ञापन दिया। इस पत्र में दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही कर निलम्बित करने की मांग की। इस अवसर भाजपा मण्डल के उपाध्यक्ष दिनेश धपवाल, महामंत्री रघु मर्तोलिया, जिला उपाध्यक्ष अनु. जनजाति मोर्चा दीपू धपवाल, मण्डल उपाध्यक्ष केदार नबियाल, युवा मोर्चा महामंत्री लबराज निखुर्पा, सोशल मीडिया प्रभारी विक्रम खुन्नू, गणेश नेगी उपस्थित रहे।

जोशा के तोक चुआर पानी के आपदा पीड़ितों को राहत दो

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। जोशा के तोक चुवार पानी के आपदा प्रभावित परिवारों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को आपदा राहत न मिलने से ज्ञापन दिया। प्रभावित परिवारों ने कहा कि वह न्याय के लिये बराबर कहते रहे लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ज्ञापन देने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों ने आपदा प्रभावित परिवारों को अपना समर्थन दिया। भाजपा मण्डल अध्यक्ष डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि तहसील प्रशासन ने लापरवाही कर सरकार की योजनाओं को आपदा प्रभावित परिवारों को न दिए जाने से सरकार के ऊपर प्रश्न चिन्ह लगा है जबकि सरकार ने जून में ही आपदा प्रबन्धन की ओर से सारी व्यवस्था कर के तहसील प्रशासन को दे दिया। लेकिन प्रशासन की लापरवाही से इन को अभी तक राहत न दिए जाना। सोचनीय विषय है। ज्ञापन देने के लिए राजेश रोशन ग्राम प्रधान, डा.दुर्गा प्रसाद ,मनोहर टोलिया, ईश्वर कोरंगा, गौरव जसवाल, नरेन्द्र कुमार, दान सिंह बगड़ी, योगेश दानू, तारा पाँगती, कुलदीप रावत, मनोज दानू आदि रहे।

सती जंगपांगती से बातचीत

मिलम की हरियाली में लोटपोट होने की खुशी आज भी है

डॉ.पंकज उप्रेती

अपनी मातृभूमि-कर्मभूमि का जुड़ाव हमारे बात-व्यवहार में दिखाई देता है। जिसमें अपनी माटी के लिये दुलार होगा वह निश्चित ही सामाजिक व्यवहार के ताने-बाने को बुन सकता है और समाज के लिये बेहतर कर सकता है। ऐसा ही परिवार कुमाऊँ के प्रथम पद्मश्री स्व.लक्ष्मण सिंह पांगती का है।

परिवार की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सती जंगपांगी बातचीत के दौरान अतीत को लौटती हैं जब वह मिलम गईं। उन्हें आज भी मिलम की मखमली घास के मैदान मे लोटपोट होना याद है।

मर्तोली, सुरिंग और गुलेर में मर्तोलिया परिवार माइग्रेशन के क्रम में आते-जाते रहते थे। इन्हीं में खुशाल सिंह मर्तोलिया के घर सुरिंग में 1945 में जन्मी सतीसावित्री को बचपन में सती नाम से जानते थे। परिवार गुलेर ही ज्यादा रहता था। उनका विवाह

जंगपांगी परिवार में होने के बाद सरस्वती नाम जाना गया लेकिन प्रचलित नाम सती ही रहा। हल्द्वानी के दोनहरिया स्थित प्रतिष्ठि लक्ष्मण निवास का संयुक्त परिवार की वह केन्द्र बन गईं और कुनबे की परम्परा अनुसार संवारा।

श्रीमती सती बताती हैं- 'हमेशा इच्छा रहती कि मिलम की हरियाली में लोटपोट किया जाए। मिलम यात्रा में यह इच्छा पूरी हुई। मिलम की हरियाली में लोटपोट होने की आज भी खुशी है। अपने ग्राम बुर्फू सहित जगह-जगह भेंटघाट करने गये।' श्रीमती सती को दो बार कैलास मानसरोवर यात्रा का अवसर भी मिला है।

हल्द्वानी के पुराने परिवरों की गितनी में इनका परिवार गिना जाता है जब दोनहरिया क्षेत्र में गिने-चुने मकान थे। हरियाली के बीच पली बढ़ी श्रीमती सती आज भी अपने घर को हरियाली से सजाए हुए हैं। 'स्वच्छ भारत' का नारा देकर साफ-सफाई का हल्ला वर्तमान में खूब मचा है लेकिन इनके द्वारा शुरु से ही यह कार्य किया जाता रहा है। दोनहरिया क्षेत्र में बाहर से आकर गन्दगी करने वालों को तक इन्होंने टोका और आज भी यथासम्भव अपनी सक्रियता से जागरुक करती रहती हैं। सामाजिक सरोकारों से हमेशा की तरह अग्रणीय रहने वाली श्रीमती सती जंगपांगी हमेशा स्वस्थ्य रहें, यही कामना है

मिलम कचहरी संवारेंगे

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

जोहार। मिलम गाँव में धमोत लोगों की जो ऐतिहासिक कचहरी थी, जिसमे सम्मेलन व सभा का आयोजन किये जाते थे अब पूर्ण रूपसे ध्वस्त हो चुका है। इसके जीर्णोद्धार के लिए इस बार नन्दा अष्टमी पर्व पर धमोत बन्धुओं का एक दल जिसमे मिलम पहुँचा। यहाँ आहूत सभा में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस प्राचीन कचहरी का जीर्णोद्धार किया जाए। तत्काल श्रमदान करते हुए कचहरी स्थल की सफाई की गई। समस्त धमोत बन्धुओं से अपील की गई है कि इसको संवारने के लिये सहयोग करें।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

स्वच्छता के बैनर-पोस्टर

इस बार गांधी-शास्त्री जयन्ती से पूर्व पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को अनिवार्य रूप से एक घण्टे स्वच्छता श्रम के लिये कहा गया। बहुत अच्छी बात थी, रविवार के दिन आराम करने वाले कर्मी भी आकर जुटे। इसके अलावा स्वच्छता पखवाड़े को लेकर देश-प्रदेश में चल रहे अभियान में अभी तक पोस्टर, पर्चे, निबन्ध, गीत-संगीत प्रतियोगिताएं चल रही हैं।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के अलावा शासन भी धुंआधार जुटा। केन्द्रीय मंत्रियों से लेकर प्रदेश के मंत्री-विधायक, जिले के आला अधिकारियों से लेकर ग्राम पंचायत तक हाथ में दस्ताने मुंह में मास्क लगाकर जुट गये। नगर निगम, पालिका, पंचायत सभी की टीमें सतक हो गई। इन सबके बावजूद गन्दगी के ढेर और व्यवहार में बदलाव आया है? नहीं। यह सब एकदम नहीं होगा। इसके लिये बार-बार और लगातार व्यवहार में यह सब करना जरूरी है।

यह सच्चाई सबको जान लेनी चाहिये कि स्वच्छता के नाम पर जितने बैनर-पोस्टर लग रहे हैं वह सब छलावा है। स्वच्छता अभियान के नाम पर एनएसएस की सैकड़ों इकाईयां गठित हैं और लाखों का बजट निपटा दिया जाता है। मौज-मस्ती के शिविरों को ढोना की प्रथा बन्द कर देनी चाहिये। नमामि गंगे के नाम पर जितनी जगह बजट दिया गया है उनकी सच्चाई देखी जानी चाहिये। पोस्टर, हस्ताक्षर अभियान, भाषण प्रतियोगिता करवा देना और बजट को कागज पर उतार देना कोई सार्थकता नहीं है। देखने में आ रहा है कि मंत्रालयों की ओर से बैनर का फार्मेट भेज दिया जाता है जिसमें फोटो खींचकर उसका समाचार बनवा देना और नियत तिथि पर मेल कर देना ही कार्यक्रम की सफलता का परिचायक बन गया है। मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी को क्या पता कि उन्होंने जिस उद्देश्य से बैनर का फार्मेट भेजा था उस अभियान का क्या हुआ और उस बजट का क्या हुआ जो स्वच्छता के लिये था? इस प्रकार की सच्चाईयों को जब तक सार्वजनिक नहीं किया जायेगा स्वच्छता के प्रयाय मौज-मस्ती के मेले बने रहेंगे।

फसक

दाज्यू, उम्मीदों पर ही तराण ठैरा

डंगरियों के नाचते समय कई फैसले हो जाते हैं बल

दाज्यू, सीएम पुष्कर धामी के लन्दन जाने के बाद से हमें गुदगुदी हो रही है। दिन रात सपने आ रहे हैं कि रभ्भड़ वाली सड़क होगी मोहल्ले में, स्वीमिंगपुल होगा, रंगीत मछली, टावर, धूम-धड़क्का.........। बहुत हो चुका गनेलपना। दाज्यू, उम्मीदों पर ही तराण ठैरा। लपक-झपक कर भौत काम हो जाने वाले हुए, हम भी कोशिश कर लेते हैं। फरफराट तो हमारे बस की बात नहीं फिर भी........। मुख्य सचिव रतूड़ी भी कह चुकी हैं- 'तीस नवम्बर तक गड्ढा मुक्त होंगी सड़कें।' स्वच्छता अभियान में एनएसएस वाली मैडम ने गोलगप्पे खिला दिये। कागज-पत्तर में साफ-सफाई बहुत करवाती रही हैं बल। डे-नाइट कैम्प में बिजली की झपझप बहुत होती रही थी। छोले बटवाने के लिये साबिर तैनात था। हम तभी समझ चुके थे अभियान तेजी में है।

दाज्यू, डंगरियों के नाचते समय कई फैसले हो जाते हैं बल। लेकिन अपने लल्लू दा फैसला आज तक नहीं हो पा रहा है। पिछले 22 साल से चाय की दुकान चला रहा है बेचारा। रातोंरात की चकमक लल्लू दो के बस की बात नहीं। ऋषिकेश में कैसीनो का धन्धा पकड़ने की बहुत चर्चा हुई तभी नैनीताल के ज्योलीकोट के होटल में भी कैसीनो पकड़ा गया। दाज्यू, इसमें 12 बालिकाएं शराब परोस रही थीं बल और 21 बिगड़ेल बालक लट्टपेल..........पता नहीं कब से यह धन्धा चल रहा होगा। पुलिस ने अपना काम कर दिया परन्तु के भविष्य का फैसला पता नहीं कब होना है? क्योंकि इनका डंगरियों पर भरोसा शायद ही हो। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैम्पियन के परिवार को नियमविरुद्ध तरीके से 5 सुरक्षा गार्ड और निजी वाहन की पायलट कार बनाकर हूटर बजाने की अनुमति देने पर सख्ती दिखाते हुए जबाव मांगा है। कोर्ट ने गृह सचिव, डीजीपी, आईजी सुरक्षा, हरिद्वार के एसएसपी, हरिद्वार के जिलाधिकारी समेत कुंवर देवयानी, कुंवर नरेन्द्र सिंह, कुंवर दिव्यप्रताप सिंह और कुंवर प्रणव चैम्पियन को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। दाज्यू, कोई क्या कर ले......उम्मीदों पर ही तराण ठैरा। हम सोच रहे हैं कि उत्तराखण्ड को मादर-फादर कहते हुए पिस्टल लहराने वाला कैसा जनप्रतिनिधि रहा होगा? कौन इनके सुर में ताल मिलाता है? कौन इनके कहने पर नाचता है? राज्य आन्दोलनकारियों के सपने का क्या होगा? ऐसा कौन डंगरिया होगा जो नाचकर फैसला कर दे। कोर्ट के आदेश के बाद लग तो रहा है......।

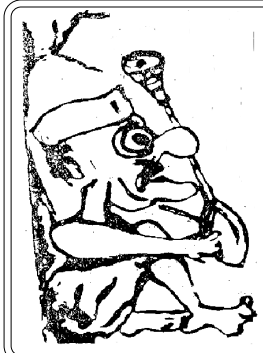

गंगोलीहाट पुलिस ने जुआरियों की जीना हराम कर रखा है बल। मुखबिर की सूचना पर पाली पोखरी क्षेत्र में छापेमारी कर 18 हजार की नगदी के साथ 6 जुआरी पकड़े। दाज्यू, बेरोजगार आदमी करें भी तो क्या करें? एकमात्र सहारा जुआ ठैरा। पुर दा कह रहा है- 'अधेड़ उम्र में नौकरी हो नहीं सकती। साहबी होती नहीं। हाथ-पैर खुजाते रहते हैं। पत्ते फैंट कर दिन कट जाने वाला हुआ।' दाज्यू, चम्पावत के चूका गाँव में एंगलिग प्रतियोगिता हुई लेकिन राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से ग्रामीण बेखबर रहे बल। पर्यटन विभाग वालों का भला हो.....पता नहीं कैसा आयोजन था। पर्यटन के नाम पर भी विकास होने ही वाला ठैरा। चुपड़ते रहो.........नौका विहार, राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, साइकिल रेस। लोहाघाट के राजीव नवोदय विद्यालय में फिर से बबाल मच गया। खराब भोजन मिलने पर अभिभावक नाराज हैं बल। एसडीएम के साथ बैठक में लोगों ने रोष किया। सीएम सैप का विधानसभा क्षेत्र है ध्यान देना होगा।

किसे सच मानें? राजकीय शिक्षक संघ के 5 साल बाद हुए चुनाव को भी विवाद में गिना जा रहा है। आरोप लगाये जा रहे हैं कि चुनाव में फर्जी वोटरों को शामिल किया गया। दाज्यू, मास्साब लोगों का काम तो फियर होने वाला हुआ, यह क्या सुनाई दे रहा है। किसने उड़ा दी होगी फर्जी वोटरों वाली बात?

दाज्यू, हल्द्वानी में अन्न महोत्सव को इसलिये स्थगित कर दिया क्योंकि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दौरा रद्द हो गया। हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि जिस महोत्सव के प्रचार में ही धूमधड़ाम होने लगी थी उसे शाह के दौरा रद्द होने पर टाल दिया गया। लड्डन बता रहा था- 'उत्तराखण्ड के मोटे अनाज उत्पादन को बढ़ावा देने व दूसरे राज्यों के श्री अन्न के बारे में जानकारी देने के कलिये कृषि विभाग की ओर से दो दिन का आयोजन था।' दाज्यू, अब क्या होगा मोटे अनाज का? उम्मीदों पर ही तराण ठैरा। अभी नहीं तो फिर कभी......। हरिद्वार में फर्जी डीएम गिरफ्तार हुआ। पूर्व भाजयुमो नेता ने फर्जी डीएम बनकर एक युवती को एसडीएम बनाने का झांसा देकर रम व सम्पत्ति हड़प ली थी बल। दाज्यू, रौब दिखाकर लप्प-झप्प पहले से ही हो रही है। नेताओं के प्रतिनिधियों की खरपतवार भी बहुत हो गई है बल। दर्जाधारी भद्रसिंह का स्वागत जारी है। डंगरिये नाच रहे हैं, हमें भी दूर तक उम्मीदें दिखने लगी हैं।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

मेला

मढ़मानले का मेला

पिथौरागढ़। मढमानले क्षेत्र का प्रसिद्ध जगन्नाथ मन्दिर का मेला उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मेले में बिण, पिथौरागढ़, मूनाकोट, खर्कदेश, कनाली छीना के मेलार्थी पहुँचे। मेला संचालन में भूपेन्द्र खनका, दानी राम, कुंवर सिंह, सन्तोष पाठक जुटे थे।

दशज्यूला मेला

ऊखीमठ। दशज्यूला क्षेत्र की हृदयस्थली के नाम से विख्यात जागतोली के खेल मैदान में दशज्यूला मेला सम्पन्न हुआ। तीन दिवसीय मेले में जिला पंचायत अध्यक्ष अमदेई शाह ने दस लाख रुपये मंच के लिये देने की घोषणा की। यह क्षेत्र का पौराणिक और आध्यात्मिक मेला भी है।

दरकोट का मेला

मुनस्यारी। दरकोट के मेले में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। दरकोट स्थित मन्दिर में परम्परागत वेशभूषा में लोगों ने पूजा अर्चना की। मेला संचालन कमेटी के चन्द्र सिंह कार्की, ग्राम प्रधान सावित्री देवी, रमेश पांगती, श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, तारा पांगती, राजेन्द्र सिंह मर्तोलिया सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

बेरीनाग रात्रि मेला

बेरीनाग। अनन्त चतुर्दशी को होने वाला बेरीनाग मेला रातभर हुआ। नाग मन्दिर में पूजा अर्चना के अलावा रात्रि में नौर्त लगाए गए। पुराने बाजार में झोड़ा-चांचरी की धूम मची।

१७ नवम्बर से होगा नाग महोत्सव

बेरीनाग। इस बार 17 से चार दिवसीय नाग महोत्सव का आयोजन होगा। आयोजन को यादगार बनाने के लिये अभी से तैयारियां शुरु हो चुकी हैं। नगर पालिका अध्यक्ष हेम पन्त की अध्यक्षता में इस बारे में बैठक भी हुई जिसमें आयोजन को अनुशासन के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में हरि प्रसाद लोहिया, राजेश रावत, मनमोहन मेहता, भूपेन्द्र भण्डारी, देवेन्द्र शाह, आशा भैसोड़ा आदि उपस्थित थे।

यादें

भाजपा के कद्दावर नेता थे पूरन शर्मा

हल्द्वानी। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूरन चन्द्र शर्मा का 26 सितम्बर 2023 को रामपुर रोड स्थित अपने आवास पर निधन हो गया। वह लम्बे समय से अस्वस्थ्य थे।

मूल रूप से अल्मोड़ा निवासी शर्मा जी भाजपा के कद्दावर नेता हुआ करते थे। राज्य गठन के बाद भाजपा के पहले प्रदेश अध्यक्ष पूरन शर्मा को दिग्गज नेता मुरलीमनोहर जोशी का विशेष संरक्षण मिला। अल्मोड़ा के बारामण्डल विधानसभा सीट से विधायक और कल्याण सिंह सरकार में पर्वतीय विकास मंत्री रहे। हमेशा विवादों से दूर रहने वाले स्व. पूरन चन्द्र शर्मा को पिघलता हिमालय परिवार श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आपके पत्र

निजी स्वार्थ के चलते तबाही का केन्द्र बना है नैनीताल

महोदय,

आपके साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित इस पत्र में 'नैनीताल बचाओ संघर्ष समिति' एवं नगर प्रशासन का ध्यान आने वाली विपदा की तरफ आकर्षित करने का प्रयास किया था किन्तु ना तो समिति ने और ना ही प्रशासन ने इस समस्या की तरफ ध्यान दिया परिणाम स्वरूप आज 'आवागढ़' क्षेत्र तवाही का केन्द्र बन गया।

इस तवाही का कारण निजी स्वार्थ के चलते प्रशासनिक लापरवाही साफ नजर आती है क्योंकि जोशीमठ के भू धंसाव के बाद नैनीताल प्रशासन को व जनता को अलर्ट मोड पर आ जाना चाहिये था लेकिन नहीं। पूर्व में भू वैज्ञानिकों ने खतरे की तरफ प्रशासन को कई बार आगाह किया गया था। आज फिर से भू वैज्ञानिकों ने आगाह किया है देखते हैं प्रशासन व जनता कितनी जागृत होती है।

-उमेश चन्द्र पाण्डे
जगदम्बा नगर, हल्द्वानी

'नैनीताल बचाओ' अभियान की धीमी गति, ऊपर से असहयोग

उमेश चन्द्र पाण्डे

सम्पादक महोदय, आपके पत्र के माध्यम से नैनीताल की जनता व प्रशासन का ध्यान नैनीताल के अस्तित्व को बचाने के लिये 'नैनीताल बचाओ' की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। वर्षों से चले आ रहे इस अभियान की धीमी गति व प्रशासन के असहयोग से जनता व इस अभियान के संचालकों में निराशा घर कर चुकी है। आन्दोलन के शुरू होने के बाद भी निजी स्वार्थ के कारण बाहरी लोगों के घुसपैठ व प्रशासन की अनदेखी से आज नैनीताल कंक्रीट के जंगल में बदल चुका है निर्माण कार्य अभी भी बदस्तूर चल रहा है बहुमंजलीय भवन बन रहे हैं।

अभी जोशीमठ की घटना से एक बार फिर नैनीताल की तरफ ध्यान खिंच गया, आज जो हस्र जोशीमठ का हुआ है वह विकास के नाम पर मानव निर्मित आपदा है, बहुमंजलीय इमारतें, धरती का दोहन, ऑलवैदर रोड के लिये भारी मशीनों से पहाड़ों का कटान, जलविद्युत परियोजनाएँ आदि से जोशीमठ का पहाड़ फट पड़ा।

नैनीताल में भी वही सब हो रहा है जो जोशीमठ में हो रहा था भू वैज्ञानिकों के हिसाब से बिरला स्कूल वाला पहाड़ बहुत कच्चा व सम्वेदनशील है लाइम रॉक होने के कारण इसकी भार क्षमता कम है और प्रशासन को इस बात से पूर्व में अवगत भी करा दिया गया है इसके बावजूद इसकी अनदेखी कर यहाँ बड़ी तेजी से भवन निर्माण हो रहे हैं अभी कुछ वर्ष पूर्व लोवर माल रोड का धँसाव हुवा जो संकेत दे रहा कि नैनीताल वालो संभल जाओ खतरे की घंटी बज चुकी है।

अगर अभी सचेत नहीं हुए, नैनीताल को बचाने के लिये संघर्ष नहीं कर पाये तो परिणाम भयावह होंगे। पूरा पहाड़ झील में समा जायेगा फिर ना झील रहेगी ना मकान रहेंगे, ना पहाड़ रहेगा और ना ही रहेगा 'नैनीताल'।

(जगदम्बा नगर, हल्द्वानी)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्वास्थ्य

पहाड़ी तूर दाल पौष्टिकता से पूरिपूर्ण है

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

हम परम्परा में शामिल अच्छा स्वास्थ्य देने वाले भोजन कर सकें और दुनिया को भारत की परम्परा से अवगत करा सकें। 'भारत मिलेट्स को लोकप्रिय बनाने के काम में सबसे आगे है, जिसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है। भारत, वि व श्रीअन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत में कई प्रकार के श्रीअन्न की खेती होती है, जिसमें ज्वार, रागी, बाजरा, कुट्टू, रामदाना, कंगनी, कुटकी, कोदो, चीना और सामा शामिल हैं। हालांकि जानकार कहते हैं कि बजट में मोटे अनाज को लेकर जो कुछ कहा गया है वह सिर्फ एक प्रचार भर है।

रूरल वॉयस के सम्पादक कहते हैं कि मंत्री ने मोटे अनाज पर बात की है लेकिन उन्हें यह नहीं नजर आता कि इससे किसानों की आय में ज्यादा बढ़ोत्तरी कैसे होगी। उनका कहना है कि मोटे अनाज को लेकर पब्लिसिटी अच्छी है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि इसे खाने से सेहत अच्छी रहेगी। वो कहते हैं, कोई ठोस नीति नहीं है कि सरकार किसानों से मोटा अनाज खरीदेगी की नहीं या कोई स्कीम होगी जिसमें लोगों को मोटा अनाज सरकार से मिलेगा। अगर इस तरह की कोई स्पष्टता होती तो ज्यादा बेहतर होता, वैसा कुछ नहीं है। किसान आखिर मोटे अनाज को क्यों उगाएगा। वो कहते हैं, उसके इसे उगाने के लाभ क्या है। अगर सरकार कहती है कि किसान जो मोटा अनाज उगाएगा उसे वह खरीदेगी तो किसान आश्वस्त होगा लेकिन वैसा कुछ बताया नहीं गया है। हालांकि मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को धान के मुकाबले पानी की कम जरूरत पड़ती है और यूरिया अन्य रसायनों की जरूरत नहीं पड़ती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में पैदा होने वाले मोटे अनाज में 41 प्रतिशत तक भारत में पैदा होता है। साल 2021-22 में मोटे अनाजों को एक्सपोर्ट करने में भारत ने 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। भारत में पैदा होने वाले मोटे अनाज जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुट्टू अमेरिका, यूएई, ब्रिटेन, नेपाल, सऊदी अरब, यमन, लीबिया, ओमान और मिस्र जैसे देशों में निर्यात किए जाते हैं। 2018 में भारत सरकार ने मोटे अनाज को पोषक अनाज की श्रेणी रखते हुए इन्हें बढ़ावा देने की शुरूआत की थी। मौजूदा समय में 175 से अधिक स्टार्टअप मोटे अनाज पर काम कर रहे हैं। इसी साल भारत में होने वाले जी-20 सम्मेलन में विदेशी नेताओं के सामने मोटे अनाज से बने पकवानों को भी परोसा है। हरित क्रान्ति और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की शुरुआत से पहले तक मोटे अनाज आम लोगों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के दैनिक आहार का प्रमुख हिस्सा थे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में मुहैया कराए गए सब्सिडी के चावल और गेहूँ ने मोटे अनाज का स्थान हासिल कर लिया। जीवनशैली और खानपान में बदलाव के कारण लोगों ने 'प्राचीन' समय के सेहतमंद मोटे अनाज की जगह बारीक अनाज (कम पौष्टिक) चावल और गेहूं को पसन्द करना शुरू कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि समग्र

खाद्य टोकरी में मोटे अनाज की हिस्सेदारी घट गई। हरित क्रांति से पहले समग्र खाद्य टोकरी में मोटे अनाज की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। यह हरित क्रान्ति के बाद गिरकर बमुश्किल पाँच से छह फीसदी हो गई। मांग लगातार कम होने और सरकार की ओर से बाजार में मदद नहीं मिलने से मोटे अनाज की पैदावार निरन्तर कम होती चली गई। लिहाजा मोटे अनाज का क्षेत्रफल निरन्तर गिरता गया। हाल यह हो गया कि हरित क्रान्ति से पहले जितने क्षेत्र में मोटे अनाज की खेती होती थी, वह उसके आधे क्षेत्र में होने लगी। हालांकि रोचक तथ्य यह है कि मोटे अनाज की उत्पादकता दोगुनी से अधिक हो गई। महत्त्वपूर्ण बात यह भी है कि मोटे अनाज सहित गिनी-चुनी फसलों में ही वैश्विक औसत उत्पादन से अधिक भारत का औसत उत्पादन है। भारत में मोटे अनाज की औसत उत्पादकता 1239 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है जो वैश्विक उत्पादकता 1229 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक है। इसका प्रमुख कारण यह है कि मोटे अनाज की ज्यादा पैदावार देने वाली कई किस्मों और हाईब्रिड किस्मों का विकास किया गया है। इससे एग्रोनॉमिक्स की कई प्रैक्टिस बेहतर हुई हैं। मोटे अनाज पर अनुसंधान और विकास की पहल को 2018 के बाद बहुत प्रोत्साहन मिला। वर्ष 2018 को मोटे अनाज के राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया गया। इस छोटे से समय में व्यावसायिक खेती के लिए चार बायो-फोर्टीफाइड हाईब्रिड (पोषक तत्त्व-समृद्ध जीन के साथ प्रत्यारोपित) सहित एक दर्जन से अधिक उपज-वर्धित किस्में जारी की गई हैं। इसके अलावा मोटे अनाज के 67 मूल्य वर्धित उत्पादों के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की गई हैं और ये स्टार्टअप व किसान उत्पादक संगठनों सहित 400 से अधिक उद्यमियों को दी गई हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मोटे अनाज का उप-अभियान भी शुरू किया जा चुका है। कुछ राज्यों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत स्कूली बच्चों को मोटे अनाज के व्यंजन मुहैया कराए जा रहे हैं। सरकार के महत्त्वपूर्ण पोषण कार्यक्रम 'पोषण मिशन अभियान' के तहत समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों और महिलाओं को मोटे अनाज के व्यंजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बहरहाल इस महत्त्वपूर्ण तथ्य को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है कि एक समय में जो स्थान मोटे अनाज को प्राप्त था, उसे वह बढ़ावा मिलने पर भी पारम्परिक भोजन में पूरी तरह से प्राप्त नहीं कर पाएगा। एक समय मोटे अनाज की चपाती, इडली, डोसा बनाए जाते थे। हाल यह था कि आज जो पारम्परिक व्यंजन गेहूं, चावल या रागी से बनाए जा रहे हैं, वे सभी मोटे अनाज से बनाए जाते थे। हालांकि आधुनिक किस्म के स्नैक्स और प्रचलित स्वाद के अनुसार मूल्य वर्धित उत्पाद के जरिये मोटे अनाज की खपत बढ़ाई जा सकती है। लिहाजा यह जरूरी हो गया है कि मोटे अनाज पर आधारित प्रसंस्करण खाद्य इकाइयों में व्यापक स्तर पर निवेश किया जाए। मोटे अनाज दुनिया में खाद्य संकट के निवारण में सबसे कारगर साधन बन सकते हैं, क्योंकि अनाज की कमी दुनिया भर में महंगाई व भुखमरी बढ़ाने का कारण बन रही है। वहीं इसको बढ़ावा देने का दूसरा बड़ा कारण इसका पर्यावरण हितैषी होना भी है। क्योंकि मिलेट्स की खेती खराब पड़ी जमीन पर भी की जा सकती है और यह कम मेहनत व बिना रसायनों के अच्छा उत्पादन देती है, जिससे पर्यावरण व स्वास्थ्य को भी नुकसान नहीं होता।

मोटे अनाजों को लम्बे समय से गरीबों की फसल कहा जाता रहा है, वाणिज्यिक खाद्य प्रणाली में उनकी उचित स्थिति और अनुसंधान और विकास में निवेश के सम्बन्ध में उन्हें उपेक्षित रखा गया है। पर्यावरण की गुणवत्ता में प्रतिकूल परिवर्तनों और इसके परिणामस्वरूप भोजन और पोषण सुरक्षा पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में बढ़ती चिन्ताओं और लगातार बढ़ती आबादी के लिए प्रति यूनिट संसाधन निवेश के लिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने की कथित आवश्यकता के साथ, इन मोटे अनाजों की खाद्य टोकरियों में प्रवेश करने की अच्छी सम्भावना है। उपभोक्ताओं की व्यापक श्रृंखला, ग्रामीण और शहरी, गरीब और अमीर और विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं में इन अनाजों के पोषक तत्वों और स्वास्थ्य सम्बन्धी पहलुओं और उनसे तैयार किए जा सकने वाले विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों पर वैज्ञानिक रूप से सिद्ध ज्ञान और गैर-दस्तावेज ग्रामीण ज्ञान का एक बड़ा भण्डार है। इन मोटे अनाजों के सम्भावित उपयोग पर अनुसंधान और विकास से इन अनाजों को तैयार खाद्य पदार्थों के रूप में उपयोग करने की क्षमता सामने आई है। अपने खाद्य उपयोगों के अलावा, इन अनाजों का उपयोग फ़ीड, जैव ईंधन या बायोएथेनॉल, बायोपॉलिमर, डिस्टिलरी और सिरप के लिए सब्सट्रेट के रूप में भी किया जाता है। अनाज के कई घटकों में उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले पोषण के अलावा जैविक गतिविधि भी होती है। फेनोलिक यौगिकों में टैनिन, फेनोलिक एसिड, कूमारिन, फ्लेवोनोइड और एल्काइल रेसोरिसिनॉल शामिल हैं। फिनोल पौधों के खाद्य पदार्थों के स्वाद, बनावट (जैसे बीयर का माउथफिल), रंग, स्वाद और ऑक्सीडेटिव स्थिरता के लिए जिम्मेदार इनमें न्यूट्रास्युटिकल गुण होते हैं और ये आमतौर पर चोकर में पाए जाते हैं। फेनोलिक एसिड के दो वर्ग हैं- हाइड्राक्सीसिनैमिक एसिड और हाइड्राक्सिल बेंजोइक एसिड, हाइड्राक्सी-बेन्जोइक एसिड में हाइड्राक्सी बेंजोइक एसिड, वैनिलिक, सीरिंजिक और प्रोटोकैटेचिक एसिड शामिल हैं, जबकि हाइड्राक्सीसेनामिक एसिड में कौमारिक, कैफिएक एसिड, फेरुलिक और सिनापिक एसिड शामिल हैं।

ज्योतिष की बातें - 147

इस सप्ताह में चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है । चन्द्रमा पूरे सप्ताह क्रमशः कर्क, सिंह, कन्या व तुला राशि में गोचर करेगा। जन्मराशि से चन्द्रमा यदि पहले, तीसरे, छठवें, सातवें दसवें व ग्यारहवें भाव में गोचर करता है तो शुभ होता है। जन्मराशि से चौथा, आठवाँ, बारहवाँ चन्द्रमा का गोचर सदैव अशुभ होता है। पक्षबली चन्द्रमा हो तो दूसरा, पाँचवां व नौवां गोचर भी शुभ होता है।

पितृ विसर्जन- आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या उदयव्यापिनी तिथि में पितृ विसर्जन किया जाता है। अतः शनिवार 14 अक्टूबर को पितृ विसर्जन के साथ ही पितृपक्ष की समाप्ति हो जाएगी।

नवरात्रि- अश्विन शुक्लपक्ष प्रतिपदा से नवरात्रि का प्रारम्भ होता है। उदयकाल में प्रतिपदा यदि एक मुहूर्त भी हो तो उसी दिन घट स्थापना होती है। यदि उदयकाल में एक मुहूर्त से कम प्रतिपदा हो तो पहले दिन ही घट स्थापना की जाती है। तदनुसार रविवार 15 अक्टूबर से नवरात्रि प्रारम्भ हो जाएगी ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 38

महंगाई और मिलावट का मुख्य कारण

पहला उदाहरण चिकित्सा क्षेत्र- रोगी जब डाक्टर के पास चिकित्सा के लिए जाता है तो रोगी का निरीक्षण कोई और करता है, दवा कोई और लिखता है, दवा बनाने वाला कोई और, दवा देने वाला कोई और ही होता है, रोगी को दवा खिलाने वाला कोई और ही होता है। डाक्टर के अतिरिक्त पैथोलॉजिस्ट, फार्मेसिस्ट, नर्स, कम्पाउण्डर आदि होते हैं। इस लम्बी चौड़ी व्यवस्था में रोगी के प्रति उत्तरदायित्व किसी का भी तय नहीं हो पाता है। सबसे बड़ी बात डाक्टर इलाज किसी और का करता है और उसको फीस कोई और ही देता है अर्थात् उसको तनख्वाह मिलती है ।

दूसरा उदाहरण शिक्षा क्षेत्र- शिक्षक अपनी इच्छा से शिष्य का चयन नहीं कर सकता, विद्यार्थी भी अपनी इच्छानुसार शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता और न ही अपनी पसन्द के शिक्षक से पढ़ सकता है। शिक्षक और शिक्षार्थी के चयन में बहुत लम्बी चौड़ी व्यवस्था होती है सबसे बड़ी बात शिक्षक पढ़ाता किसी और को है और उसकी दक्षिणा कोई और ही देता है ।

तीसरा उदाहरण- पहले गाँव भर का दूध एकत्र करके एक स्थान पर पहुँचता है फिर वहाँ से सभी गाँव का दूध इकट्ठा करके बहुत बड़ी डेरी नामक कारखाने में पहुँचाया जाता है। उस कारखाने में लाखों करोड़ों लीटर दूध प्रोसेस करके दूध, दही, घी आदि पदार्थ बनने के बाद डिस्ट्रीब्यूटर्स के माध्यम से पूरे देश में दूर-दूर तक पहुँचाया जाता है। फिर दुकानों के माध्यम से उपभोक्ता के पास तक पहुँचता है। गाय से लेकर व्यक्ति तक दूध पहुँचते पहुँचते 10-15 चरणों से गुजरना पड़ता है। इस लम्बी चौड़ी व्यवस्था में दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता का उत्तरदायित्व किसका?

ऊपर मात्र तीन उदाहरण दिए गए हैं। इस लम्बी चौड़ी व्यवस्था के कारण वस्तु की गुणवत्ता समाप्त होकर मिलावट बढ़ती है, महंगाई भी बढ़ती है। इसलिए मेरे विचार से गाय और उपभोक्ता के मध्य गोपालक के अतिरिक्त कोई भी तीसरा व्यक्ति नहीं होना चाहिए। शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच में कोई भी तीसरा व्यक्ति नहीं होना चाहिए। चिकित्सक और रोगी के मध्य में कोई भी तीसरा व्यक्ति नहीं होना चाहिए। सभी तरह की सेवाओं के लिए ऐसी लम्बी चौड़ी औद्योगिक व्यवस्थाएँ न होकर, व्यक्तिगत स्तर पर लघु योजनाएँ ही होनी चाहिए तभी गुणवत्ता रह सकती है ।

-सरल

४ नवम्बर को भाषा सम्मेलन होगा

अल्मोड़ा। कुमाउंनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति प्रचार समिति के तत्वावधान में चार नवम्बर को पिथौरागढ़ में 15वां कुमाउंनी भाषा सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया है। संयोजक डॉ.हयात सिंह रावत ने बताया कि देशभर से कुमाउंनी साहित्यकारों को आमंत्रित करने के अलावा इस भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मुहीम है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कीर्तिबल्लभ शक्टा को मिला सम्मान

चम्पावत। संस्कृत और हिन्दी के कवि डॉ. कीर्तिबल्लभ शक्टा को श्री महादेव ग्राम छाती टिहरी में आयोजित समारोह में चारधाम गढ़वाल तीर्थ सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें राम सिंह कुट्ठी नेगी के हाथों उनके आवास पर आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान दिया गया। डॉ.शक्ता संस्कृत के विद्वान होने के साथ ही नियमित रूप से इसके उत्थान के लिये प्रसिद्ध हैं।

सप्तेश्वर संवारने की तैयारी हो चुकी

चम्पावत। सिप्टी स्थित सप्तेश्वर मन्दिर को 94 लाख रुपये से संवारने की तैयारी है। मन्दिर के समीप छोटी झील का निर्माण किया जाना है। मन्दिर परिसर में पर्याप्त स्थल का कटिंग व अन्य कार्य होने हैं। इसके लिये पर्यटन विभाग ने कार्यदायी संस्था को धनराशि हस्तान्तरित कर दी है।

ढुंगशिल में दरक रही है पहाड़ी

भीमताल। तल्लीताल क्षेत्र से लगी ढुंगशिल की पहाड़ी में पहाड़ी दरकने की शिकायत है। यहाँ लगातार पानी रिसाव के कारण भय का वातावरण बना हुआ है। क्षेत्र में दो हजार से अधिक परिवार निवास करते हैं। एक वर्ष पूर्व भूवैज्ञानिकों की टीम ने क्षेत्र का सर्वे भी किया था और खतरे का अंदेशा जताया था।

जसपुर पालिका बोर्ड बैठक में हंगामा

जसपुर। नगर पालिका बोर्ड की बैठक में जबर्दस्त हंगामा हुआ। चेयरमैन मुमताज बेगम की अध्यक्षता में हुई बैठक में दो प्रस्ताव अगली बैठक में रखने का फैसला किया गया। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में ठेकेदारों की एबीसीडी श्रेणी को खत्म करके सभी को एक समान कर दिया गया।

चुफाल ने किया सड़क का भूमिपूजन

डीडीहाट। बहुप्रतीक्षित टुण्डू-मलान-काणाधार सड़क निर्माण कार्य शुरु होने से पूर्व विधायक बिशन सिंह चुफाल ने इसका भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि सड़क बनने से 12 गांवों को सीधे सुविधा मिल जायेगी।

पुल नहीं बना तो धरना देंगे

काशीपुर। बाजपुर रोड पर निर्माणाधीन आरओबी के टालामटोली पर जसपुर विधायक आदेश सिंह चौहान ने कहा है कि यदि 15 दिसम्बर तक इसका निर्माण नहीं हुआ तो कांग्रेस धरना देंगे। काशीपुर के पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने 15 दिसम्बर तक इसके पूर्ण निर्माण की बात कही है। कुल मिलाकर दोनों ओर से आरओबी पुल निर्माण को लेकर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

खालिस्तान समर्थकों की ढूंढ में बाजपुर और देहरादून में पहरा

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को प्रोत्साहन से भारत की नारजगी के बाद कनाडा की ओर से जिस प्रकार के प्रपंच रचे जा रहे हैं उसकी दुनियाभर में चर्चा है। इधर भारत ने भी कनाडा को दो टूक कहा है कि वह खालिस्तान समर्थन सहित इस प्रकार की किसी भी कार्यवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा। देश में कई जगह खालिस्तान सम्बन्धी मामलों पर निगरानी रखी जा रही है। उत्तराखण्ड के तराई में भी भिण्डरवाला के समय की गतिविधियां देखते हुए पहरा है। बाजपुर और देहरादून में एनआईए ने छापेमारी करते हुए दो गिरफ्तारी की हैं। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने बाजपुर के दो आर्म्स डीलरों का खालिस्तान और गैंगस्टरों से सम्बन्ध पर हिरासत में लिया है।

बताते चलें कि एनआईए ने कनाडा और दुनिया के कई अन्य देशों में बैठे खालिस्तान आर्तकियों गैंगस्टरों और नशा तस्करों के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई में यूपी समेत 5 राज्यों और दो केन्द्रशासित प्रदेशों में 53 जगह छापे मारे हैं। इसमें कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

मुवानी में आन्दोलन, भड़का है इलाका

थल। मुवानी में अतिक्रमण के नाम पर आवासीय मकानों और प्रतिष्ठानों के चिन्हीकरण की कार्यवाही से पूरा इलाका भड़का हुआ है। गुस्साए व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बन्द कर रोष जताया और क्षेत्रवासियों ने विरोध करते हुए जुलूस निकाला।

हाईकोर्ट के आदेश पर लोनिवि द्वारा मुवान बाजार में अतिक्रमण के दायरे में आ रहे 60 से अधिक आवासीय मकानों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को चिन्हित किया गया है। जिस पर क्षेत्रवासियों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा के नेतृत्व में मुवानी के चौसाली बाजार में प्रदेश सरकार के विरुद्ध जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। प्रदीप टम्टा ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार गरीब तबके पर अत्याचार कर रही है। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसके खिलाफ सुप्रीम कार्ट तक लड़ाई लड़ी जाएगी। प्रदर्शन करने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य कमल दीप बिष्ट, पूर्व पंचायत उपाध्यक्ष बलवन्त मेहरा, शोभन कार्की, कैप्टन श्याम सिंह कार्की, शेर सिंह ओझा, संजय लाल वर्मा, जीवन बोरा, कुन्दन मनोला, दिगम्बर लाल, जगदीश कापड़ी, पूप्प भण्डारी आदि थे।

जरूरतमंदों को किराये पर मकान

नैनीताल। नगर पालिका दुर्गापुर में बने 73 घरों को शीघ्र ही आर्वटित करने जा रही है। 500 रुपया महीना किराये पर इन्हे दिया जायेगा। गरीबी रेखा से नीचे के आवास विहीन लोगों को घर मुहैया कराए जाने को लेकर नगर पालिका ने विस्तृत कार्य योजना बनाते हुए दुर्गापुर स्थित 73 तैयार आवासों को आर्वटित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। पालिका की अधिशासी अधिकारी पूजा चन्द ने बताया कि जेएनयूआरएम आवास योजना के तहत 2008 में 150 से अधिक घर बनाए गए थे, जिसमें से करीब 70 परिवारों को पूर्व में आवास आर्वटित कर दिए गए हैं। इसके बाद आवासों को आर्वटित करने का कार्य नहीं हो सका। जिस कारण अधिकांश आवास खण्डहर होने की स्थिति में हैं। ऐसे में पालिका इस दिशा में सक्रिय है और किराए पर इन्हें देंगे।

डीडीहाट में आन्दोलन जारी है

डीडीहाट। स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की मांग को लेकर डीडीहाट में आन्दोलन लगातार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले दो माह से लगातार आन्दोलनकारी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। डीडीहाट व इसके आस-पास के तमाम ग्रामों से लोगों का इसे समर्थन है। निमाथी ग्राम के लोग ढोल नगाड़ों के साथ प्रदर्शन करते हुए समर्थन में पहुँचे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से लोग उपचार के लिये आते हैं लेकिन उन्हें यहाँ उपचार नहीं मिल पाता। इन हालातों में जिला मुख्यालय सहित अन्य स्थानों को जाना होता है, ऐसे में कई बीमार मार्ग में ही दम तोड़ देते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने की बात करने वाली सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही है। जब तक डीडीहाट की स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त नहीं हो जाती यह आन्दोलन जारी रहेगा। आन्दोलन को कांग्रेस, यूकेडी सहित तमाम दलों व संगठनों का भी सहयोग मिल रहा है।

चार माह से मार्ग न खुलने पर उबाल

पोखरी। पोखरी-हरिशंकर-गनियाला-रौंता मोटर मार्ग के चार माह से बन्द होने के कारण ग्रामीणों में उबाल है। गुस्साए लोगों ने लोनिवि के इंजीनियरों का घेराव किया। अतिवृष्टि के कारण जून माह में यह मोटर मार्ग को यातायात के लिये बराबर मांग की जा रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस कारण 12 गाँवों के लोगों का सम्पर्क तहसील और ब्लाक मुख्यालय से तक कटा हुआ है। इसके लिये इन्हें 40 किमी की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

मार्ग सुविधा न होने से तमाम दिक्कतों से जूझ रहे लोगों ने लोनिवि कार्यालय पोखरी पहुँचकर अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सड़क के मलबे से गनियला गाँव तथा जूनियर हाईस्कूल गनियला की पेयजल लाइन भी दो साल से क्षतिग्रस्त पड़ी है। यदि अब सुधार नहीं हुआ तो उग्र आन्दोलन होगा।

निवेशक सम्मेलन को लेकर उत्साह

देहरादून। दिसम्बर में होने जा रहे इन्वेटर्स समिट को लेकर उद्योगपतियों में उत्साह है। पहले ही पहाड़ी राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में 1000 करोड़ के निवेश का उत्तराखण्ड सरकार के साथ एमओयू साइन कर चुके हैं। महिन्द्रा ग्रुप के चेयरमैन आनन्द महिन्द्रा ने इसे लेकर एक्स पर अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने लिखा है कि 'होम इज वेयर द हार्ट इज'।

प्रदेश सरकार की ओर से आगामी दिसम्बर में सम्मेलन प्रस्तावित है। इसके लिये सरकार ने ढाई करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा है। सएम पुष्कर धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का शिष्टमण्डल ब्रिटेन के दौरे में जाकर आमंत्रण दे चुका है। लन्दन और वर्मिघम दौरे पर टॅरिज्म, आईटी, एजुकेशन, हेल्थकेयर, फूड प्रोसेसिंग के अलावा ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के उद्योग घरानों के साथ बैठक कर उत्तराखण्ड आने का आमंत्रण दिया गया है। माना जा रहा है कि दुनियाभर के निवेशकों का ध्यान पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड की ओर है।

चौदास विकास समिति की बैठक

धारचूला। महिमन सिंह ह्यांकी की अध्यक्षता में बाबा गुंगतिलथिन मन्दिर प्रांगण सोसा में चौदास विकास समिति की बैठक में क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा हुई। जिसमें एकजुट होकर संघर्ष का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रकाश सिंह गुंज्याल को अध्यक्ष व देवकृष्ण फकरियाल को महा सचिव बनाया गया। इसके अलावा मोहनसिंह ह्यांकी उपाध्यक्ष, भागीरथी ह्यांकी महिला उपाध्यक्ष, खुशालसिंह गर्खाल सचिव, नरेन्द्र पतियाल कोषाध्यक्ष,अरविन्द खैर सहकोषाध्यक्ष हैं।

नैटवाड़ के प्रभावितों का धरना

पुरोला। मोरी में टौंस नदी पर निर्माणाधीन 60 मेगावाट की सतलुज जल विद्युत परियोजना के बैराज निर्माण में जबरन अधिग्रहित 27 नाली कृषि भूमि का मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित परिवारों का धरना जारी है। इस बीच परियोजना प्रबन्धक व राजस्व टीम ने भूमि की नाप जोश भी की है।

परिक्रमा

बदरीनाथ महायोजना तय समय पर होगी

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बदरीनाथ महायोजना के कार्यों को समय से पूरा करने पर जोर दिया है। डीएम ने पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये बदरीनाथ धाम में रात दिन मास्टर प्लान का काम तेजी से चल रहा है।

गंगानगर-बसुकेदार मार्ग ढेड़ माह में खुला

रुद्रप्रयाग। दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त हुए विजयनगर-गंगानगर-बसुकेदार मोटर मार्ग ढेड़ माह में खुल सका। मार्ग के खुलते ही लोगों को राहत मिली है। इस वर्ष 14 अगस्त को अलकनन्दा नदी के तेज बहाव में गंगानगर में सड़क का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था जिसमें जखोली विकासखण्ड के बड़म, सिलगढ़ समेत अन्य क्षेत्रों के करीब 80 गांवों का सम्पर्क कट गया था। क्षेत्रीय जनता लगातार मार्ग खोलने को कह रही थी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चुनाव चर्चे और चटकारे

छात्र संघ चुनावों के लिये होने लगी है घमाघम

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

अक्टूबर माह में छात्र संघ चुनाव होने हैं, इसके लिये इन दिनों डिग्री कालेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इसके अलावा अपने हिस्से का माहौल बनाने के लिये जबर्दस्त वाद-विवाद व भिड़ाई भी देखने को मिल रही है।

सभी कालेजों में एक समय पर प्रवेश, एक समय पर परीक्षा, एक समय पर चुनाव के निर्देश के बाद इसका असर हुआ है। चुनाव सभी कालेजों में एकसाथ होने का असर पिछली बार भी दिखाई दिया था और इसे सराहा गया। क्योंकि अलग-अलग दिनों में चुनाव तय होने से नेतागण इधर से उधर जाकर भीड़ बढ़ाते हैं और प्रशासन व पुलिस के लिये इन्हें संभालना कठिन हो जाता था। एक समय पर चुनाव होने से सभी अपनी-अपनी जगहों पर ही घिरे होते हैं और कालेज प्रशासन व पुलिस के लिये भी आसानी होती है और शैक्षणिक कलैण्डर में एकरूपता बनी रहती है।

कहने को बहुत कुछ है लेकिन वर्तमान में सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं और फिर परीक्षाफल आएगा लेकिन छात्र संघ चुनाव की जल्दबाजी के लिये प्रदेश के सभी छोटे-बड़े कालेजों में हल्ला मचा है। इसके लिये वह युवा ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रहे हैं जो अपने वहाँ के स्थानीय नेताओं से प्रभावित हैं। एबीवीपी, एनएसयूआई, आइसा छात्र संगठनों की ओर से हुई तैयारी में छात्र नेता उभरे हैं। इसके अलावा बड़ी छात्र संख्या वाले कालेजों में निर्दलीय भी दमदार तरीके से जोर आजमाइश कर रहे हैं। इन कालेजों में जिस प्रकार से छात्र गुटों के बीच घमाघम हुई है उसे देख लग रहा है कि चुनाव तक यह भिड़ते रहेंगे। हल्द्वानी के एमबीपीजी, रुद्रपुर के भगत सिंह डिग्री कालेज, काशीपुर के राधेहरि कालेज, कोटद्वार, हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा तमाम जगह छात्र नेता अपना दलबल बनाए प्रचार में जुटे हैं। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में आफलाइन प्रवेश सहित अन्य कार्यों में अभी तक विश्वविद्यालय उलझे हुए हैं। ऐसे में चुनाव अक्टूबर अन्त तक ही हो सकते हैं।

लोकसभा चुनाव के लिये चुनाव गणित

लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए पार्टियों के गणित शुरु हो चुके हैं। भले ही मोदी-शाह की जोड़ी इस बार भी भाजपा को तारने के लिये उत्तराखण्ड तक असर करेगी लेकिन विपक्ष के तेवरों के सामने इस बार सबकुछ आसान भी नहीं है। प्रदेश में 5 लोकसभा सीटों में भाजपा इस बार कुछ में चेहरे बदल सकता है। पिथौरागढ़-अल्मोड़ा सीट पर कबीना मंत्री रेखा आर्य भी अपनी तैयार कर रही हैं, इस सीट पर अजय टम्टा का पहले से दावा रहा है।

फिलहाल भाजपा ने लोकसभा सीटों की किलेबन्दी के लिये लगातार सिललिलेवार बैठकें शुरु कर दी हैं। इन बैठकों में मोदी गुण गाने के साथ ही वोट प्रतिशत बढ़ाने के लक्ष्य के लिये कहा जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का कहना है कि मण्डल अध्यक्षों सहित सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा रही है ताकि भाजपा बड़ी सफलता के साथ अपने लक्ष्य पर रहे। पार्टी की ओर से हल्द्वानी में दो सम्मेलन हो चुके हैं ताकि बूथ प्रबन्धन मजबूत हो सके।

कांग्रेस ने विपक्षी दलों के साथ मिलकर चुनावी रणनीति बनानी शुरु कर दी है। राष्ट्रीय स्तर के गठबन्धन पर हरिद्वार सीट पर रार मच सकती है लेकिन विपक्ष की कोशिश है कि लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ें। इस समय कांग्रेस संगठन प्रचार-प्रसार के अलावा अपने बड़े नेताओं राहुल-प्रियंका के इशारे को देखा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित सभी दिग्गज लगातार किसी न किसी आयोजन के बहाने सरकार को ललकार रहे हैं।

सरकार ने दायित्व भी बांट दिये

चुनाव का मौका आने वाला है। सरकार बहादुर ने दायित्व भी बांट दिये हैं। इसमें ज्योति प्रसाद गैरोला उपाध्यक्ष बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति(राज्य स्तरीय), रमेश गडिया उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय जलागम परिषद, मधु भट्ट उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड संस्कृत साहित्य एवं कला परिषद, मुफ्ती शमून कासमी अध्यक्ष उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद, बलराज पासी अध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य बीज एवं जैविक उत्पाद प्रमाणीकरण संस्था, सुरेश भट्ट उपाध्यक्ष राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद, अनिल डब्बू अध्यक्ष कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड)मण्डी), कैलाश पन्त अध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड, शिव सिंह बिष्ट उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना राज्य स्तरीय अनुश्रवण परिषद, नारायण राम टम्टा अध्यक्ष हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्था

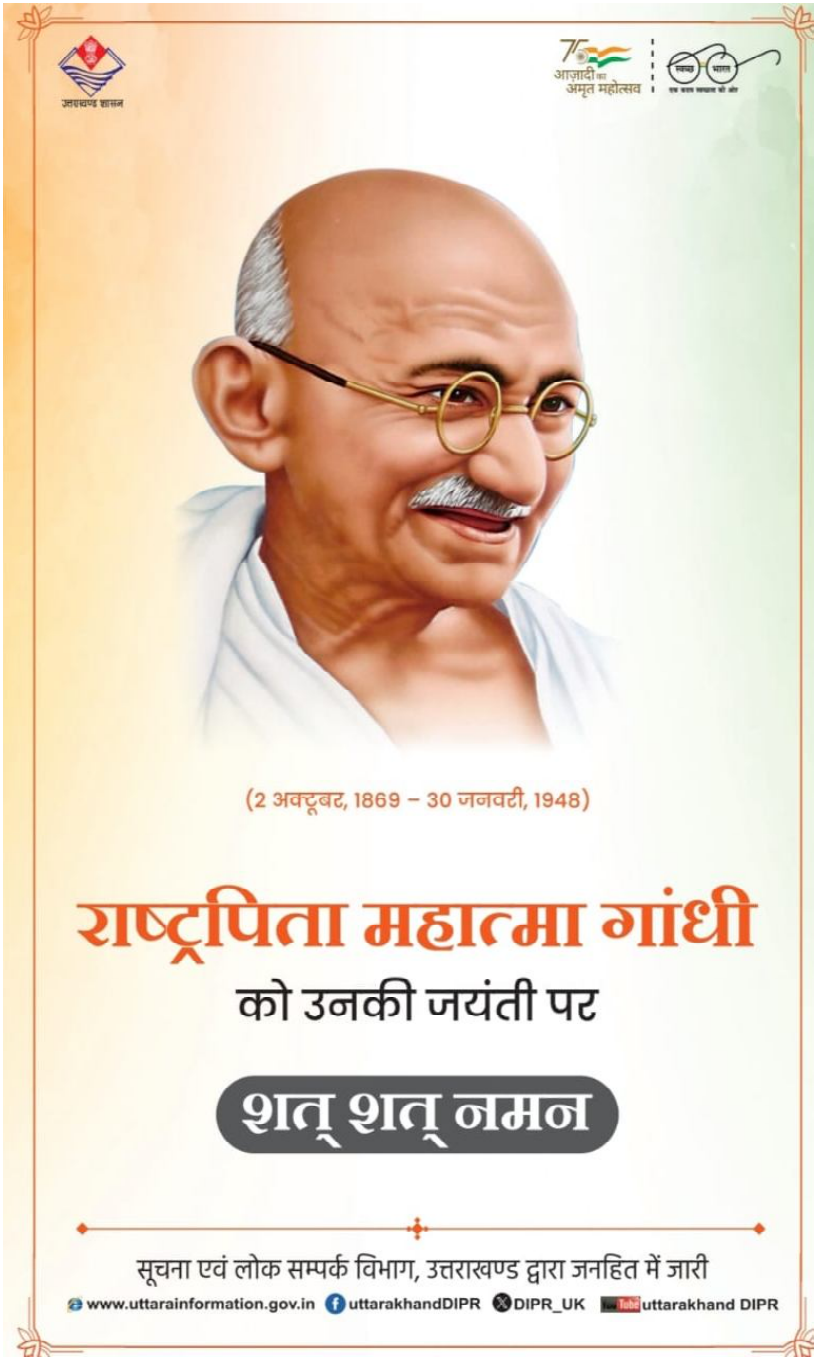

निकाय चुनाव को लेकर भी सुगबुगाहट

लोकसभा चुनाव की तैयारी बेशक हो रही हो लेकिन सुगबुगाहट निकाय चुनावों की भी है। सूत्रों के अनुसार प्रशासनिक स्तर पर हर प्रकार से तैयारी है यदि कहा गया तो महीने भर में सारा खाका तैयार दिखाई देगा। इस बात की चारों ओर चर्चा छिड़ी है कि पहले निकाय चुनाव होंगे या लोकसभा चुनाव।

नगर पालिका बनने के बाद गंगोलीहाट-बेरीनाग में हलचल

बेरीनाग और गंगोलीहाट को नगर पालिका बनने के बाद से नई हलचल शुरु हो चुकी है। बेरीनाग प्रथम नगर पंचायत के चेयरमैन कांग्रेसी नेता हेम पन्त हैं। इस बार नगर पालिका के लिये फिर से हेम पन्त का नाम चर्चा मे है लेकिन दावेदारों में बलवन्त धानिक, अमित पाठक, डी.एल.शाह, दीपक धानिक के दावेदारी की बात भी कही जा रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता धीरज बिष्ट और कांग्रेस की ओर से भीम कुमार के नामों की बात भी कही गई है लेकिन मजबूत पकड़ वाले इन दोनों नेताओं को पार्टियां अन्य अवसर दे सकती हैं। गंगोलीहाट पालिका चुनाव के लिये बार-बार लगातार जिन नामों को लिया जा रहा है उसमें कांग्रेस के मुकेश रावल, नारायण सिंह बोहरा, श्रीमती बोहरा, भाजपा के श्रीमती जयश्री पाठक, हरीश धानिक भीमा, विमल रावल, भूपाल आर्य की चर्चा है। ऐसे में सीधी सी बात है अपने बात-व्यवहार के अलावा चुनावी दमखम रखने वाला इस बार बाजी मार लेगा।

बागेश्वर में दबदबे का खेल

बागेश्वर नगर पालिका चुनाव के लिये फिर से दबदबे का खेल होना है। पालिकाध्यक्ष खेतवाल के भाजपा में शामिल होने के बाद चुनाव गणित में बदलाव हुआ है। इससे पूर्व गीता रावल पालिकाध्यक्ष रही हैं। दावेदारों की सूची में भाजपा की निर्मला दफौटी का नाम भी लिया जा रहा है।

हल्द्वानी सहित नगर निगमों के लिये हाईप्रोफाइल नेता और तैयारी है

हल्द्वानी नगर निगम सहित देहरादून, रुड़की, हरिद्वार, रुद्रपुर, काशीपुर नगर निगमों के लिये अभी से बड़े नेताओं के बीच सौदे-समझौते-वार्ता शुरु हो चुकी हैं। इन बड़ी सीटों के लिये हाईप्रोफाइल नेता और तैयारी दिखाई दे रही है। विधायक, सांसद, मंत्री सीधे इन सीटों पर अपनी पसन्द या अपने गुट के व्यक्ति को चाहते हैं ऐसे में टिकट को लेकर भी जोड़-तोड़ होनी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शुभकामनाओं के साथ-

एड.महेन्द्रप्रताप सिंह जंगपांगी

लक्ष्मण निवास, दोनहरिया

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

जिज्ञासा ट्रडर्स

शाकम्बरी विहार, मल्ली बमोरी

हल्द्वानी

प्रो.प्रा. निर्मला सुमित्याल

दुर्गा मंदिर दरकोट की आम सभा

मुनस्यारी। दुर्गा मन्दिर कमेटी दरकोट का मेला सम्पन्न होने के पश्चात कमेटी द्वारा आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में सभी ग्रामवासियों सहित गाँव के जमाई गोकर्ण सिंह मर्तोलिया व गाँव के भानीज लोकबहादुर सिंह जंगपांगी भी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम अध्यक्ष ने मन्दिर कमेटी के नियमानुसार कमेटी का इस्तीफा ग्राम प्रधान सावित्री देवी पांगती के सम्मुख रखा। प्रधान ने स्वीकार करते हुए श्रीराम सिंह धर्मशक्तू को चुनाव अधिकारी नियुक्त कर विधिवत चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पांगती व चन्द्र सिंह कार्की को संरक्षण, अध्यक्ष गोकर्ण सिंह पांगती, उपाध्यक्ष मनोहर सिंह पांगती, सचिव हरीश सयाना, कोषाध्यक्ष खिला पांगती, आडिटर प्रयाग सिंह पांगती सहित 7 सदस्य चुने गये। इनका कार्यकाल तीन साल का होगा।

साथ ही दुर्गा मन्दिर निर्माण कमेटी को सर्वसम्मति से भंग कर दिया गया। अब मन्दिर सौन्दर्यीकरण का कार्य मन्दिर कमेटी ही करेगी। वर्ष 2012 में मन्दिर निर्माण के दौरान देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू की अध्यक्षता में निर्माण कमेटी का गठन किया गया था।

कपकोट व्यापार मण्डल चुनाव में तारा सिंह फिर से अध्यक्ष बने

बागेश्वर। व्यापार मण्डल कपकोट के चुनाव में तारा सिंह कपकोटी फिर से अध्यक्ष चुने गये हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी बड़ी पहचान रखने वाले तारा सिंह को व्यापारियों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया। इसी प्रकार हेम सिंह कपकोटी महामंत्री, नवीन चन्द्र उपाध्याय कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध रूप से चुने गये। चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष गोपाल दत्त जोशी और चुनाव अधिकारी प्रकाश काण्डपाल ने बताया कि तय समय सीमा पर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिये चुनाव होना था। अध्यक्ष पद के लिए मौजूदा अध्यक्ष तारा सिंह कपकोटी, बलवन्त सिंह गढ़िया और कृष्ण ने नामांकन पत्र खरीदे थे लेकिन तारासिंह के अलावा अन्य ने नामांकन पत्र जमा नहीं किये। इस प्रकार तारा सिंह कपकोटी पांचवी बार अध्यक्ष चुने गये।

सचिव पद के लिये अकेले हेम कपकोटी का नामांकन होने पर उनका चौथी बार चयन हुआ। इसी प्रकार नवीन चन्द्र उपाध्याय का लेखाजोखा कार्य उत्कृष्ट रहने के कारण उन्हें पांचवी बार कोषाध्यक्ष चुना गया। व्यापार मण्डल पदाधिकारियों ने सभी का आभार प्रकट करते हुए व्यापारियों के हितों में हमेशा कार्य करने की बात कही है। व्यापार मण्डल पदाधिकारियों को सभासद तनुज तिरुवा, गिरीश बिष्ट, भूपाल कपकोटी, कुन्दन कपकोटी, भरत गढ़िया, शेखर जोशी, हयात सिंह गढ़िया ने बधाई दी है

हल्दूचौड़ में भी छात्रसंघ के लिये गुटों की लड़ाई का रोग लगा

हल्द्वानी। छात्र संघ चुनाव के लिये एमबीपीजी कालेज में छात्र गुटों के झगड़े होते रहे हैं, अब यही रोग हल्दूचौड़ में भी फैल चुका है। दरअसल उच्चशिक्षा में विद्यार्थियों को लाभ देने के लिये हल्द्वानी के आसपास भी कालेज खोल दिये गये है लेकिन शिक्षण से ज्यादा जिस प्रकार की परम्परा को जन्म दिया गया है उससे वैमनस्यता बढ़ती जा रही है। हल्दूचौड़ के लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय में छात्र गुटों के संघर्ष में एक-दूसरे का सिर फोड़ने जैसा हुआ। पूरे झगड़े में हल्दूचौड़, बिन्दुखत्ता, लालकुआ के युवा उलझते रहे। घायल छात्र नेताओं की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ मामले दर्ज हुए हैं। हल्दूचौड़ में हुई मारपीट की घटना की सभी ने निन्दा की है लेकिन राजनीति का रंग इतना घुल चुका है कि छात्र संघ चुनाव की आड़ में छोटे-बड़े नेताओं के संरक्षण की बात कही जा रही है।

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स

बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)